समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश : निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'
- खंड 'अ' में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड – 'अ' : वस्तुपरक-प्रश्न

अपठित गद्यांश

[10 अंक]

1. **नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए।** **(1×5 = 5)**

गद्यांश-1

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

अंग्रेज़ डॉ. रशेल ने कहा था कि किसी नगर में दवाई लदे हुए गधे ले जाने से एक हँसने-हँसाने वाले आदमी को ले जाना सबसे अधिक लाभकारी है क्योंकि उसका हँसना और हँसाना निशुल्क व सुखदाई हो सकता है। हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है, पाचन-शक्ति बढ़ाती है, मनुष्य का मनोबल बढ़ाती है, रक्त को चलाती है और अधिक से अधिक पसीना लाती है। हँसी शक्तिशाली औषधि है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉक्टर हुई ऑन कहते हैं कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और कुछ नहीं है। कारलाइन वहाँ का एक राजकुमार था। वह कहता है कि जो जी भरकर हँसता है वह कभी बुरा नहीं होता। जी भरकर हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुमसे कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास से हँसाओ, उसका दुख कटेगा। निराश को हँसाओ, उसकी आशाएँ बढ़ेंगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वभाव में वृद्धि होगी। पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं, हमें बहुत काम करना है तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर प्यारी वस्तु जो भगवान ने हमें दी है आंतरिक हँसी है। एक अन्य विद्वान का कहना है कि यही हँसी पासा पलट सकती है जब हम दूसरों के दुखों का मजाक उड़ाएँ, उसकी भावनाओं का परिहास करें। इस बात का हमें ध्यान रखना अनिवार्य है इस निशुल्क मिलने वाली औषधि किसी के लिए घातक न हो।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए–

(क) हँसी को शक्तिशाली दवा क्यों कहा गया है?

(*i*) प्रसन्नता देने के कारण
(*ii*) स्वास्थ्य देने के कारण
(*iii*) पाचन-शक्ति-बढ़ाने के कारण
(*iv*) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (*iii*) पाचन-शक्ति बढ़ाने के कारण

(ख) हँसी से बूढ़े व्यक्तियों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(*i*) वे खुश हो जाते हैं।
(*ii*) वे उत्साह से भर जाते हैं।
(*iii*) वे अपने आप को जवान समझने लगेंगे।
(*iv*) वे बालक से सरल हो जाते है।

उत्तर: (*iii*) वे अपने आप को जवान समझने लगेंगे।

(ग) एक हँसाने वाला व्यक्ति दवाई से लदे गधे से अच्छा क्यों है?

(*i*) वह स्वयं गधा होता है।
(*ii*) वह गधे की तरह हरकतें करता है।

(*iii*) वह मूर्खता भरी बातें करता है।
(*iv*) क्योंकि वह तन-मन को स्वस्थ और प्रसन्न रखता है।

उत्तर: (*iv*) क्योंकि वह तन-मन को स्वस्थ और प्रसन्न रखता है।

(घ) हँसी पासा कब पलट सकती है?
(*i*) दूसरों की भावनाओं का मज़ाक उड़ाने में।
(*ii*) दूसरों की भलाई करने में।
(*iii*) हँसने के पैसे लेने में।
(*iv*) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर: (*i*) दूसरों की भावनाओं का मजाक उड़ाने में।

(ङ) गद्यांश में कारलाइल कौन था?
(*i*) एक राजकुमार
(*ii*) एक राजा
(*iii*) एक अधिकारी
(*iv*) एक हँसने वाला व्यक्ति

उत्तर: (*i*) एक राजकुमार

अथवा

गद्यांश-2

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-2 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की सबसे पहली पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सके केवल भारत ही एक देश है जहाँ शिक्षित व्यक्ति उसे समझा जाता है जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं किंतु अंग्रेज़ी में जिसकी दक्षता संदिग्ध न हो। संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है जिसके घर में अपनी भाषा की पुस्तकों का संग्रह हो और जिसे यह पता हो कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक, लेखिका, कवि,कवयित्री, उपन्यासकार, कहानीकार और दोहाकार कौन-कौन हैं तथा समय-समय पर उनकी कौन-कौन सी कृतियाँ प्रकाशित हो रही हैं? यदि यह प्रकाशित हो रही है तो हमें इनका अध्ययन करना चाहिए। भारत में स्थिति दूसरी है। यहाँ प्रायः घर-घर में साज़-सज्जा के आधुनिक उपकरण तो होते हैं किंतु अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती। यहाँ पर अपनी भाषा को पढ़ने में कुछ लोग संकोच करते हैं। यह दुरावस्था भले ही किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है किंतु वह सुदशा नहीं दुरावस्था ही है और जब तक यह दुरावस्था कायम है हमें अपने आप को सही अर्थों में शिक्षित या सुसंस्कृत मानने का न्यायसंगत अधिकार नहीं है। हमें अपनी मातृभाषा को ज़रूर पढ़ना चाहिए और मातृभाषा का जन्म कब, कैसे और कहाँ से हुआ उसके स्त्रोत को भी जानना बहुत आवश्यक है। कोई भी बच्चा अगर अपनी मातृभाषा में अध्ययन कार्य को शुरू करें तो वह आगे जाकर उसमें दक्षता हासिल कर सके वह देश प्रगति करेगा यदि देश का हर नागरिक अपनी मातृभाषा को समझता है, पढ़ता है और उसका आदर पूर्वक सम्मान करता है।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या है?
(*i*) भाषा के तत्व
(*ii*) भाषा के अंग
(*iii*) मातृभाषा
(*iv*) भाषा की स्थिति

उत्तर: (*iii*) मातृभाषा

(ख) संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की पहचान क्या है?
(*i*) विदेशी भाषा में दक्षता।
(*ii*) किसी भी भाषा में दक्षता।
(*iii*) मातृभाषा में दक्षता।
(*iv*) किसी भी भाषा में दक्षता नहीं।

उत्तर: (*ii*) किसी भी भाषा में दक्षता।

(ग) भारतीय सुसंस्कृत जनों के घरों में किस चीज़ का अभाव होता है?
(*i*) आधुनिक उपकरणों का।
(*ii*) अंग्रेज़ी पत्र-पत्रिकाओं का।
(*iii*) अपनी भाषा की पत्र-पत्रिकाओं का।
(*iv*) साज-सज्जा के सामान का।

उत्तर: (*iii*) अपनी भाषा की पत्र-पत्रिकाओं का।

(घ) भारत जैसे देश में शिक्षित व्यक्ति किसे माना जाता है?
(*i*) जो पुस्तक ही पढ़ता है।
(*ii*) जो हिंदी भाषा को जानता है।
(*iii*) जो संस्कृत भाषा को जानता है।
(*iv*) जो अंग्रेज़ी का बहुत ज़्यादा ज्ञाता हो।

उत्तर: (*iv*) जो अंग्रेज़ी का बहुत ज़्यादा ज्ञाता हो।

(ङ) देश का उज्ज्वल भविष्य कब होगा?

(i) मातृभाषा में दक्षता के कारण

(ii) मातृभाषा के अज्ञान के कारण

(iii) मातृभाषा का अल्पज्ञान के कारण

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (i) मातृभाषा में दक्षता के कारण

2. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5 = 5)

गद्यांश-1

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए गद्यांश-1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

महात्मा गाँधी जी ने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे। दक्षिण अफ़्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने सफ़ाई करने जैसे कार्य को भी कभी नीचा नहीं समझा और इसी कारण स्वयं उनकी अपनी पत्नी कस्तूरबा से भी मतभेद हो गए। उन्हें अपने आसपास सफ़ाई के साथ रहना तथा दूसरों को भी सफ़ाई के लिए प्रेरित करना अच्छा लगता था। बाबा आमटे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया। सुंदरलाल बहुगुणा ने अपने प्रसिद्ध चिपको आंदोलन के माध्यम से जंगलों को संरक्षण प्रदान किया। इस आंदोलन से देश में जंगलों का बहुत विस्तार हुआ। फादर डेमियन मॉलोकाई, मार्टिन लूथर किंग, मदर टेरेसा जैसी महान आत्माओं ने इसी सत्य को ग्रहण किया। इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्य से लोगों के दिलों पर शासन किया। वर्तमान समय में ने तो लोग थोड़ा बहुत करके उसे विस्तारपूर्वक कहने में जरा भी संकोच नहीं करते, लेकिन इन महानुभावों ने समाज में अपने कार्यों से गहरी छाप छोड़ी, है पर सत्ता का लालच बिल्कुल नहीं किया। गाँधी जी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है किंतु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में राष्ट्र की सीमाओं में बंधा हुआ नहीं था। उनके द्वारा सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन का ही कारण था कि कभी किसी पंचायत तक का सदस्य नहीं बनने वाले गाँधी जी की जब मृत्यु हुई तो इतने बड़े राष्ट्र अमेरिका का राष्ट्रीय ध्वज भी झुका दिया गया। हम सभी भारतीयों को प्रेरित करती है कि बिना सत्ता के लालच के समाज की सेवा करना एक गौरव की बात है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए—

(क) गांधी जी का जीवन किसके लिए समर्पित था?

(i) जनकल्याण के लिए।

(ii) ऊँचे पद के लिए।

(iii) सत्ता ग्रहण करने के लिए।

(iv) प्रसिद्ध होने के लिए।

उत्तर: (i) जन कल्याण के लिए।

(ख) अमेरिका वासी गांधी जी को कैसा मानते थे?

(i) एक साधारण मानव

(ii) एक दुर्बल मानव

(iii) एक धार्मिक मानव

(iv) महान कल्याणकारी मानव

उत्तर: (iv) महान कल्याणकारी मानव

(ग) बाबा आमटे ने किन लोगों की सेवा की?

(i) तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की।

(ii) तिरस्कृत समाज की।

(iii) तिरस्कृत निर्धन परिवारों की।

(iv) तिरस्कृत धार्मिक समुदाय की।

उत्तर: (i) तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की।

(घ) गांधी जी की मृत्यु पर अमेरिका के लोगों ने क्या किया?

(i) अपना कामकाज बंद कर दिया।

(ii) अपना राष्ट्रीय झंडा भी झुका दिया।

(iii) अपने देश में अवकाश किया।

(iv) इनमें से कुछ भी नहीं।

उत्तर: (ii) अपना राष्ट्रीय झंडा भी झुका दिया।

(ङ) **सुंदरलाल बहुगुणा किस कार्य के लिए प्रसिद्ध है?**

(*i*) देशसेवा के लिए।
(*ii*) चिपको आंदोलन व पेड़ों का संरक्षण के लिए।
(*iii*) राष्ट्रसेवा के लिए।
(*iv*) महिलाओं के सम्मान के लिए।

उत्तरः (*ii*) चिपको आंदोलन व पेड़ों का संरक्षण के लिए।

अथवा

गद्यांश-2

किसी भी राष्ट्र के लिए एकता बहुत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता के अभाव में राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता। चाहे किसी भी विकास कार्यों पर कितना ही व्यय किया जाए, विश्व की समस्याओं से स्वयं को बचाने का प्रयास किया जाए, कोई भी कार्य उस समय तक सफल नहीं हो सकता जब तक देश में भावात्मक एकता स्थापित नहीं हो जाती। हमारे देश में विभिन्न धर्मों को माने वाले लोग रहते हैं- हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन आदि। इन सभी के धार्मिक विश्वास अलग-अलग होते हुए भी सभी भारतीय हैं। भारतीय संविधान के अनुसार प्रत्येक भारतीय को समान अधिकार दिए गए हैं और यह भी कहा गया है कि धर्म के आधार पर उनके साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। लेकिन जब व्यवहार में विभिन्न मतावलंबियों के बीच भेदभाव किया जाता है या राजनैतिक एवं धार्मिक संगठन निहित स्वार्थों के लिए एक धार्मिक समुदाय को दूसरे धार्मिक समुदाय के विरुद्ध भड़काने का कार्य करते हैं तो इससे सांप्रदायिकता का जन्म होता है।

(क) **राष्ट्रीय एकता के अभाव में क्या नहीं हो सकता?**

(*i*) राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता
(*ii*) हम आज़ाद नहीं हो सकते
(*iii*) बच्चे काम नहीं कर सकते
(*iv*) युवा पीढ़ी खुश नहीं रह सकती

उत्तरः (*i*) राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता

(ख) **कोई भी कार्य कब तक सफल नहीं हो सकता?**

(*i*) जब तक हम अपनी बात को स्पष्ट न करें
(*ii*) जब तक राष्ट्रीय एकता स्थापित न हो
(*iii*) जब तक भावात्मक एकता स्थापित न हो
(*iv*) जब तक धार्मिक एकता स्थापित न हो

उत्तरः (*iii*) जब तक भावात्मक एकता स्थापित न हो

(ग) **सांप्रदायिकता का जन्म होता है?**

(*i*) धर्म प्रचार से
(*ii*) अपने संप्रदाय को बड़ा मानने से
(*iii*) एक संप्रदाय को दूसरे के विरुद्ध करने से
(*iv*) सभी संप्रदायों के अशिक्षित होने से

उत्तरः (*iii*) एक संप्रदाय को दूसरे के विरुद्ध करने से

(घ) **व्यवहार में किनके बीच मतभेद किया जाता है?**

(*i*) देशवासियों के बीच
(*ii*) राजनीतिज्ञों के बीच
(*iii*) धार्मिक नेताओं के बीच
(*iv*) विभिन्न मतावलंबियों के बीच

उत्तरः (*iv*) विभिन्न मतावलंबियों के बीच

(ङ) **धार्मिक संगठन सांप्रदायिकता क्यों फैलाते हैं?**

(*i*) धर्म प्रचार के लिए
(*ii*) परोपकार के लिए
(*iii*) परमार्थ के लिए
(*iv*) निहित स्वार्थ के लिए

उत्तरः (*iv*) निहित स्वार्थ के लिए

[16 अंक]

व्यावहारिक व्याकरण

(1×4=4)

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए–

(क) **पदबंध के कितने भेद होते हैं। छाँटकर लिखिए।**

(*i*) तीन भेद
(*ii*) दो भेद
(*iii*) चार भेद
(*iv*) पाँच भेद

उत्तरः (*ii*) पाँच भेद

(ख) जोर-जोर से चिल्लाने वाले अब चुप क्यों हो? रेखांकित पदबंध का भेद है?

(i) सर्वनाम पदबंध (ii) विशेषण पदबंध (iii) संज्ञा पदबंध (iv) सर्वनाम पदबंध

उत्तर: (ii) विशेषण पदबंध

(ग) निम्नलिखित में से संज्ञा पदबंध को छाँटकर लिखिए।

(i) सर्वाधिक रन बनाने वाला यह बल्लेबाज़। (ii) किसी की परवाह न करने वाला कौन है ये

(iii) पतंग हवा में उड़ती चली गई। (iv) मैं लिख सकता हूँ

उत्तर: (i) सर्वाधिक रन बनाने वाला यह बल्लेबाज़।

(घ) सर्वनाम पदबंध का उदाहरण छाँटिए-

(i) वह पढ़कर सो गया (ii) मुंबई में रहने वाला वह

(iii) परिश्रम करने वाला वह असफल नहीं हो सकता (iv) बच्चे दौड़ते-दौड़ते थक गए

उत्तर: (ii) मुंबई में रहने वाला वह

(ङ) बालक धीरे-धीरे चल रहा था। इस वाक्य में क्रिया पदबंध होगा-

(i) धीरे-धीरे (ii) बालक बहुत

(iii) चल रहा था (iv) धीरे-धीरे चल रहा था

उत्तर: (iii) चल रहा था

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए- (1×4=4)

(क) करण तत्पुरुष का उदाहरण है-

(i) नीलकमल (ii) पीतांबर (iii) अरुणकमल (iv) रोगमुक्त

उत्तर: (iv) रोगमुक्त

(ख) कर्मधारय समास का उदाहरण है-

(i) लाल मिर्च (ii) त्रिनेत्र (iii) यथाशक्ति (iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (i) लाल मिर्च

(ग) 'माता और पिता' उदाहरण हैं-

(i) द्वंद्व समास (ii) बहुव्रीहि समास (iii) द्विगु समास (iv) अव्ययीभाव समास

उत्तर: (i) द्वंद्व समास

(घ) 'कमल के समान चरण वाला' का समस्त पद होगा-

(i) चरणकमल (ii) करकमल (iii) कमलेश (iv) कमलनयन

उत्तर: (i) चरण कमल

(ङ) 'आमरण' का समास विग्रह होगा-

(i) मरण तक (ii) मरने से लेकर

(iii) मरण के बाद (iv) जन्म से लेकर मरण तक

उत्तर: (i) मरण तक

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए- (1×4=4)

(क) जैसे ही मैं बाज़ार गया वैसे ही बारिश शुरू हो गई। कौन-से वाक्य का उदाहरण है?

(i) संयुक्त वाक्य (ii) सरल वाक्य (iii) मिश्र वाक्य (iv) साधारण वाक्य

उत्तर: (iii) मिश्र वाक्य

(ख) 'राधा स्कूल गई और पुस्तकें लाई।' वाक्य का प्रकार है-

(i) सरल वाक्य (ii) मिश्र वाक्य (iii) संयुक्त वाक्य (iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (iii) संयुक्त वाक्य

(ग) 'मैंने एक व्यक्ति देखा, जो बहुत विद्वान एवं बलशाली था।' वाक्य का प्रकार है-

(i) मिश्र वाक्य (ii) सरल वाक्य (iii) साधारण वाक्य (iv) संयुक्त वाक्य

उत्तर: (i) मिश्र वाक्य

(घ) जिन वाक्यों में एक मुख्य क्रिया हो उसे कहते हैं–
(i) सरल वाक्य (ii) मिश्र वाक्य (iii) संयुक्त वाक्य (iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (i) सरल वाक्य

(ङ) 'सालाना इम्तिहान हुआ और भाई साहब फेल हो गए।' रचना की दृष्टि से वाक्य है–
(i) संयुक्त (ii) सरल
(iii) मिश्रित (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (i) संयुक्त

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– (1×4=4)

(क) कारगिल के युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तान सेना की ....।
(i) ईंट से ईंट बजाना (ii) देश सिर पर उठा दिया
(iii) आसमान पर उठा लेना (iv) अगर-मगर करना

उत्तर: (i) ईंट से ईंट बजाना

(ख) अमेरिका के धनवानों और भारत की दलितों के रहन-सहन में ....।
(i) आकाश पाताल का अंतर (ii) ज़मीन जायजाद का अंतर
(iii) बुद्धि विवेक का अंतर (iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (i) आकाश पाताल का अंतर

(ग) कोई दूसरा तुम्हारी प्रशंसा करें तो बात भी है तुम .... बने हुए हो।
(i) अपना सा मुँह लेकर रहना (ii) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना
(iii) आँखें दिखाना (iv) तारीफ़ करना

उत्तर: (ii) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना

(घ) लाल बहादुर शास्त्री ने प्रधानमंत्री के पद पर पहुँचकर सिद्ध कर दिया कि वे...
(i) चेहरे पर हवाइयाँ उड़ाते हैं (ii) गुद्ड़ी का लाल
(iii) तिल का ताड़ बनाना (iv) संघर्ष करते हैं

उत्तर: (ii) गुद्ड़ी का लाल

पाठ्य-पुस्तक

[14 अंक]

7. दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– (1×4=4)

पावस ऋतु थी पर्वत प्रदेश
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार
जिसके चरणों में फैला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल
गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!

(क) कविता में किस ऋतु का वर्णन किया गया है?

(i) वर्षा ऋतु (ii) ग्रीष्म ऋतु (iii) शरद ऋतु (iv) वसंत ऋतु

उत्तर: (i) वर्षा ऋतु

(ख) सहस्त्र दृग सुमन का अर्थ है–

(i) हज़ारों दिये (ii) हज़ारों फूल

(iii) हज़ारों फूल रूपी आँखें (iv) हज़ारों फूल रूपी काल

उत्तर: (iii) हज़ारों फूल रूपी आँखें

(ग) गिरि का गौरव गान कौन गा रहे हैं?

(i) पेड़ (ii) पर्वत (iii) तालाब (iv) झरने

उत्तर: (iv) झरने

(घ) मानवीकरण अलंकार का उदाहरण कौन से शब्द में है?

(i) दर्पण में (ii) पहाड़ों में

(iii) फूल रूपी आँखों में (iv) बादल में

उत्तर: (iii) फूल रूपी आँखों में

8. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– (1×5=5)

मगर वज़ीर अली की स्कीम क्या है? स्कीम ये है कि किसी तरह नेपाल पहुँच जाए। अफ़गानी हमले का इंतज़ार करे, अपनी ताकत बढ़ाए, सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद अवध पर कब्ज़ा करे और अंग्रेज़ों को हिंदुस्तान से निकाल दे। नेपाल पहुँचना तो कोई ऐसा मुमकिन नहीं, मुमकिन है कि वह पहुँच गया हो। हमारी फ़ौजें और नवाव सआदत अली खाँ के सिपाही बड़ी सख्ती से उसका पीछा कर रहे हैं। हमें अच्छी तरह मालूम है कि वह इन्हीं जंगलों में है। तभी एक सिपाही तेज़ी से दाखिल होता है और कहता है कि दूर से गर्द उड़ती हुई दिखाई दे रही है। सभी सिपाहियों से कह दो कि तैयार रहे। लेफ़्टिनेंट खिड़की से बाहर देखने में मसरूफ़ था और कह रहा था कि गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवाल नज़र आता है। हाँ, एक ही सवार है। सरपट घोड़ा दौड़ाए चला आ रहा है और ऐसा मालूम होता है कि वह हमारी तरफ़ ही आ रहा है। कर्नल ने ताली बजाकर सिपाही को बुलाया और कहा कि इस सवार पर नज़र रखें कि किस तरफ जा रहा है। सिपाही सलाम करके वापस चला जाता है। शुब्हे की कोई गुंजाइश, नहीं, वह तेज़ी से हमारी तरफ़ आ रहा है घोड़े की टापों की आवाज़ वहीं पर रुक जाती है।

(क) नेपाल पहुँचने की योजना कौन बना रहा था?

(i) वजीर अली (ii) सआदत अली (iii) सराजित अली (iv) शमशुद्दौला

उत्तर: (ii) सआदत अली

(ख) सिपाही क्या खबर लेकर आता है?

(i) दूर से गर्द उड़ती हुई नज़र आ रही है। (ii) दुश्मनों का आभास हो रहा है।

(iii) शायद वजीर अली आया है। (iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (i) दूर से गर्द उड़ती हुई नज़र आ रही है।

(ग) गद्यांश में किस स्कीम की बात कही गई है?

(i) नेपाल पहुँचने की स्कीम की (ii) पाकिस्तान पहुँचने की स्कीम की

(iii) चोरी करने की स्कीम की (iv) हत्या करने की स्कीम की

उत्तर: (i) नेपाल पहुँचने की स्कीम की

(घ) कर्नल ने सिपाही को क्या आदेश दिया?

(i) सवार का स्वागत करें। (ii) सवार का इंतज़ार करें।

(iii) सवार पर नज़र रखें कि वह किस तरफ जा रहा है।

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (iii) सवार पर नज़र रखें कि वह किस तरफ जा रहा है।

(ङ) पाठ और लेखक का नाम बताइए–

(i) कारतूस, हबीब तनवीर
(ii) झेन की देन, रवींद्र केलेकर
(iii) ततांरा-वामिरो कथा, लीलाधर मंडलोई
(iv) बड़े भाई साहब, प्रेमचंद

उत्तरः (i) कारतूस, हबीब तनवीर

9. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए– (1×5=5)

जापान में मैंने अपने मित्र से पूछा कि यहाँ के लोगों को कौन-सी बीमारियाँ अधिक होती हैं। मित्र ने जवाब दिया मानसिक बीमारी और कहा कि जापान के 80 फीसदी लोग मनोरुग्ण हैं। मैंने मित्र से पूछा, क्या इसकी कोई वजह है, फिर मेरे मित्र ने कहा कि जापान के लोगों की जीवन की रफ़्तार बढ़ गई है। हम लोग अमेरिका से प्रतिस्पर्धा करने के कारण अपने हर काम को बहुत जल्दी से पूरा करने की कोशिश करते हैं। हमारे यहाँ कोई चलता नहीं बल्कि दौड़ता है, कोई बोलता नहीं बल्कि बकता है और जब हम अकेले पड़ते हैं तब हम अपने आपसे लगातार बड़बड़ करते रहते हैं। एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में पूरा करना चाहते हैं। वैसे भी दिमाग की रफ़्तार हमेशा तेज़ रहती है और जापानी लोग उसमें स्पीड का इंजन लगाने की कोशिश करते हैं। दिमाग पहले से हज़ार गुना अधिक रफ़्तार से दौड़ने लगता है और फिर ऐसा होता है कि हमारे दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है यही कारण है कि जापान में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ गई है। शाम को लेखक के मित्र लेखक को टी-सेरेमनी में ले गए। यह चाय पीने की एक विधि है। जापानी में उसे चा-नो-यू कहते हैं। इस विधि में चाजीन अर्थात चाय बनाने वाला होता है तथा वहाँ पर तीन लोगों की अनिवार्यता है।

(क) दिमाग की गति कब हज़ार गुना बढ़ जाती है?

(i) बड़बड़ाने से
(ii) अँधेरे के कारण
(iii) स्पीड का इंजन लगाने के कारण
(iv) बहुत दौड़ने के कारण

उत्तरः (iii) स्पीड का इंजन लगाने के कारण

(ख) गद्यांश में मानसिक रोगी के लिए कौन-सा शब्द आया है?

(i) मनोरुग्ण (ii) मन की स्थिति (iii) स्पीड इंजन (iv) प्रतिस्पर्धा

उत्तरः (i) मनोरुग्ण

(ग) जापान में दिमाग को शांत रखने के लिए कौन सी विधि अपनाई जाती है?

(i) एकांत में चाय पीने की विधि
(ii) एकांत में बड़बड़ाने की आदत
(iii) एकांत में योग करने की आदत
(iv) इन तीनों में कोई भी नहीं

उत्तरः (i) एकांत में चाय पीने की विधि

(घ) लेखक ने मानसिक बीमारी के बारे में कहाँ के मित्र से पूछा?

(i) अपने अमेरिकी मित्र से
(ii) अपने जापानी मित्र से
(iii) अपने इज़राइली मित्र से
(iv) अपने पाकिस्तानी मित्र से

उत्तरः (ii) अपने जापानी मित्र से

(ङ) लेखक अपने मित्र के साथ किस समय चाय पीने गया?

(i) दोपहर के समय (ii) सुबह के समय (iii) शाम के समय (iv) रात के समय

उत्तरः (iii) शाम के समय

खंड – 'ब' : वर्णनात्मक प्रश्न

पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक

[14 अंक]

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में दीजिए– (2×2=4)

(क) मीराबाई श्री कृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार है?

उत्तरः मीराबाई कृष्ण को पाने के लिए उनकी चाकरी करना चाहती है, उनके लिए बाग-बगीचे लगाना चाहती है क्योंकि जब कृष्ण बगीचे में घूमने आएँ तो इस बहाने वह कृष्ण के दर्शन कर सकेगी।

(ख) अरब में लश्कर को उनके नाम से क्यों याद करते हैं?

उत्तर: पैगंबर का असली नाम लश्कर था। सारी उम्र रोते रहने के कारण उसे नूह के नाम से जाना जाने लगा। उन्होंने एक बार एक जख्मी कुत्ते को दुत्कार दिया था और उस कुत्ते को पुकारने के बाद से उम्र भर इस गलती के लिए वे पछताते रहे और रोते रहे।

(ग) लेखक ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फ़ायदा उठाया?

उत्तर: लेखक के दूसरी बार पास होने और बड़े भाई साहब के फेल होने पर बड़े भाई साहब का व्यवहार नरम पड़ गया। वे अब लेखक को कम डाँटते। लेखक उनकी नरम व्यवहार के कारण पहले से अधिक स्वच्छंद हो गया। उसने पढ़ने-लिखने के स्थान पर मौज-मस्ती करना शुरू कर दिया। वह अपना सारा समय पतंगबाजी और अन्य खेलों में लगाने लगा।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 60 से 70 शब्दों में दीजिए:

'कर चले हम फ़िदा' गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बताइए। भारत को दुल्हन क्यों कहा गया? **(1×4=4)**

उत्तर: 'कर चले हम फ़िदा' गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है भारत और चीन के बीच सन 1962 का युद्ध। इस युद्ध में भारतीय सैनिकों के मन में यह आकांक्षा थी कि यदि वे देश की रक्षा के लिए बलिदान हो जाते हैं तो इसके बाद देश की रक्षा करने की जिम्मेदारी देशवासियों की है। इस गीत में भारत की धरती को दुल्हन कहा गया है क्योंकि यहाँ पर कवि ने भारत की धरती और सैनिकों के बीच में प्रेमी प्रेमिका का संबंध बताया है। जिस प्रकार एक दूल्हा या प्रेमी अपनी दुल्हनियाँ प्रेमिका की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा लेता है, उसी तरह भारतीय सैनिक भी देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा रहे थे।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 40 से 50 शब्दों में दीजिए– **(3×2=6)**

(क) हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या-क्या राय थी और उसका क्या कारण थे?

उत्तर: हरिहर काका को लेकर गाँव वाले दो गुटों में बँट गए थे। एक महंत के पक्ष में था, दूसरा गुट उनके भाइयों के पक्ष में था। महंत जी के पक्ष के लोग धार्मिक संस्कारों के लोग थे। उनकी राय थी कि हरिहर काका को अपनी ज़मीन ठाकुरबारी को दे देनी चाहिए। दूसरे पक्ष के लोग थे जो ज़मीन की कीमत जानते थे और चाहते थे कि ज़मीन अपने भाइयों को दे दे जाएँ। वे खून के रिश्तों में विश्वास रखते थे। इस प्रकार हरिहर काका के मामले को लेकर गाँव वाले अपनी-अपनी राय दे रहे थे।

(ख) विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए 'सपनों के-से दिन' पाठ में अपनाई गई युक्तियाँ और वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं के संबंध में अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर: लेखक के अनुसार विद्यार्थी जीवन में उनके साथ कठोर और अमानवीय व्यवहार किया जाता था। उन लोगों के मन में अध्यापकों की मार का इतना डर था कि वे स्कूल जाने में खुश नहीं होते थे। वर्तमान समय में स्कूल में अध्यापक बच्चों को कठोर शारीरिक दंड नहीं दे सकते। अध्यापक ऐसा करता है तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। पढ़ाई में कमज़ोर बच्चों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार व उन्हें उचित प्रशिक्षण दिया जाता है। यदि कोई बच्चा बहुत शरारत करता है, उसे प्यार से समझाया जाता है या उसे बाल मनोचिकित्सक से परामर्श करने का सुझाव दिया जाता है। स्कूल का वातावरण खुशहाल बनाया जाता है जिससे बच्चे का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास हो सके।

(ग) एक ही कक्षा में दो बार फेल होने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया था। टोपी पढ़ाई में बहुत अच्छा था परंतु उसे कोई पढ़ने नहीं देता था। वह घर के कामों में लगा रहता था। मुन्नी बाबू और रामदुलारी उसे किसी न किसी काम के लिए पढ़ने से उठा देते थे। दूसरे साल में उसे टाइफाइड हो गया, अत: वह पढ़ नहीं पाया। एक ही कक्षा में दो बार बैठने से टोपी को कई तरह की भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। फेल होने के बाद टोपी उसी कक्षा में अपने से पीछे वाले विद्यार्थियों के साथ बैठता था। वहाँ उसका कोई मित्र नहीं था।

मास्टर जी भी कमज़ोर बच्चों के सामने उसका ही उदाहरण रखते थे जिसे सुनकर उसे बहुत शर्म आती थी। दूसरे साल फेल होने पर उसके साथ सातवीं कक्षा वाले बच्चे आ गए। अध्यापकों ने भी उस पर ध्यान देना छोड़ दिया और सब बच्चे उस पर खूब हँसा करते थे।

[26 अंक]

लेखन

13. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **(6×1=6)**

(क) कमरतोड़ महँगाई

• महँगाई के कारण माँग और आपूर्ति में अंतर • सरकारी नीति • बढ़ती महँगाई के दुष्परिणाम

वर्तमान समय में निम्न मध्यम वर्ग महँगाई की समस्या से त्रस्त है। महँगाई भी ऐसी जो रुकने का नाम ही नहीं लेती, ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार का महँगाई पर कोई नियंत्रण रहा ही नहीं। उत्पादन में कमी तथा माँग में वृद्धि होना महँगाई का प्रमुख कारण है। कभी-कभी सूखा, बाढ़ तथा अतिवृष्टि जैसे प्राकृतिक प्रकोप भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं वस्तुओं की जमाखोरी भी महँगाई बढ़ने का प्रमुख कारण है। जमाखोरी से शुरू होती है कालाबाज़ारी, दोषपूर्ण वितरण प्रणाली तथा अंधाधुंध मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति।

सरकारी अंकुश का निष्प्रभावी होना भी महँगाई तथा जमाखोरी को बढ़ावा देता है। सरकार अखबारों में तो महँगाई कम करने की बात करती है, पर वह भी महँगाई बढ़ाने में किसी से कम नहीं। सरकारी उपक्रम अपने उत्पादों के दाम बढ़ाते रहते हैं जिससे निर्धन लोग और निर्धन होते जाते हैं। इस जानलेवा महँगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़ कर रख दी है। अब उसे 2 जून की रोटी जुटाना तक कठिन हो गया है। पौष्टिक आहार का मिलना और भी कठिन हो गया है। महँगाई को सामान्य व्यक्ति की आय के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। महँगाई के लिए अंधाधुंध बढ़ती जनसंख्या भी उत्तरदाई है, इस पर भी नियंत्रण करना बहुत ज़रूरी है। महँगाई से धनी वर्गों पर तो कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन सामान्य निर्धन परिवार इसकी चपेट में बहुत जल्दी आ जाते हैं।

(ख) वृक्षारोपण का महत्व

• वृक्षारोपण का अर्थ • वृक्षों के महत्व • वृक्षारोपण क्यों • हमारा दायित्व

वृक्षारोपण का अर्थ वृक्ष प्रकृति की अनमोल संपदा है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में अपने विकास की यात्रा का रथ चलाया था। मनुष्य एवं प्रकृति का अटूट संबंध है। प्रकृति की गोद में ही मनुष्य ने आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने मनुष्य का पालन-पोषण किया है। मनुष्य का संपूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहा है। वृक्षों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु एवं तपती दोपहरी में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं, भूमि को उर्वरक बनाते हैं तथा प्रदूषण को समाप्त कर हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वृक्ष, बाढ़, सूखा एवं मिट्टी के कटाव आदि प्राकृतिक आपदा से हमारी रक्षा करते हैं। हमारी संस्कृति में वृक्षों को देवता मानकर उनकी पूजा भी की जाती है। होली, दीपावली, बसंत पंचमी, पोंगल आदि उत्सव मनाकर हम प्रकृति का स्वागत करते हैं। यदि मनुष्य जाति को बचाना है, तो हमें वृक्षारोपण करना होगा। एक बच्चा एक पेड़ का नारा दिया गया है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय वन नीति के अंतर्गत चौड़ी पत्ती वाले पेड़ वातावरण में उड़ रही धूल को रोकते हैं एवं हवा को भी शुद्ध करते हैं। किसानों द्वारा बोई गई फ़सलों के साथ क्रमबद्ध तरीके से उसी भूमि पर वृक्षों का लगाना कृषि वानिकी का रूप है। इसका उद्देश्य पशुओं के लिए हरा चारा तथा खाना बनाने के लिए ईंधन उपलब्ध कराना है। वन-क्षेत्रों को ढकने के लिए घने और तेज़ी से बढ़ने वाले वृक्षों का चुनाव करना चाहिए। वृक्षों के अतिरिक्त झाड़ियों वाले पौधों एवं घास को लगाना चाहिए जिससे भूक्षरण रुके।

14. दिल्ली में सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने का अनुरोध करते हुए शिक्षा मंत्री महोदय को जागरूक छात्र होने के नाते पत्र लिखिए। **(5×1=5)**

डी 313 सक्सेना भवन

कड़कड़डूमा, नई दिल्ली

दिनांक: 20 अक्टूबर 20............

सेवा में,
माननीय शिक्षा मंत्री जी,
दिल्ली सरकार, नई दिल्ली

विषयः सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने हेतु।

महोदय,
मैं देवांश दिल्ली के कड़कड़डूमा क्षेत्र में रहता हूँ। यहाँ की अधिकांश जनता सामान्य जीवन व्यतीत करती है। कुछ लोग ऐसे हैं जो अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करते हैं और कीमती पुस्तकें नहीं खरीद सकते हैं। इस कारण वे समाचार पत्र व पत्रिकाएँ पढ़ने से वंचित रह जाते हैं। यदि आप इस इलाके में एक सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने की व्यवस्था करा दें तो इस क्षेत्र की जनता आपकी अत्यंत आभारी रहेगी। साथ ही साक्षरता में आपकी भागीदारी भी प्रशंसनीय रहेगी।

धन्यवाद
क्षेत्रीय नागरिक
देवांश

अथवा

कक्षा में अभद्र व्यवहार हेतु माफ़ी माँगने के लिए प्रधानाचार्य जी को मोहन की तरफ़ से पत्र लिखिए।

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय
संस्कार पब्लिक स्कूल
बदरपुर, नई दिल्ली
दिनांक : 26 अगस्त 2020

विषयः कक्षा में अभद्र व्यवहार हेतु माफ़ी पत्र।

महोदय,
विनम्र निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं का छात्र मोहन हूँ। कल छुट्टी से पहले वाले कालांश में हमारी कक्षा में अनुशासन हीनता का माहौल उपस्थित हो गया था। कुछ शरारती छात्रों ने अन्य छात्रों को भड़काकर झगड़ा शुरू कर दिया जिसके कारण कक्षा की कुछ मेज़ व कुर्सियाँ भी टूट गई तथा बहुत शोर-शराबा हुआ। मैं मोहन कक्षा मॉनिटर होने के नाते अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी मानते हुए सभी छात्रों की ओर से गलती स्वीकार करता हूँ। हम अपने इस अभद्र व्यवहार पर बहुत शर्मिंदा हैं और क्षमाप्रार्थी हैं।
हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि फिर से कभी आपको शिकायत का मौका नहीं देंगे। कृपया हमें क्षमा कर अनुग्रहीत करें।
धन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य

15. आप डी·पी·एस· वसुंधरा स्कूल की क्रिकेट कोच हैं। आपके स्कूल में डे-नाइट क्रिकेट मैच का आयोजन होने जा रहा है। इस संबंध में अपने नगर लिए 30 से 40 शब्दों में सूचना लिखिए। **(5×1=5)**

डी·पी·एस· स्कूल, वसुंधरा, नई दिल्ली

सूचना

15 दिसंबर 20......

विषयः क्रिकेट मैच का आयोजन

नगर की सभी क्रिकेट टीमों को सूचित किया जाता है डी·पी·एस· स्कूल वसुंधरा में रविवार दिनांक 26 दिसंबर 20......... को डे-नाइट क्रिकेट मैच का आयोजन होने जा रहा है। मैच में भाग लेने की इच्छुक टीमें 18 दिसंबर तक अपना नाम पंजीकृत करा लें। पंजीकरण कराने का शुल्क 200 प्रति दल निश्चित किया गया है।

क्रिकेट कोच

अथवा

लायंस कल्ब, आगरा की ओर से वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में एक सूचना लगभग 30-40 शब्दों में तैयार कीजिए।

लायंस क्लब आगरा

सूचना

दिनांक:10 जुलाई 20......

विषय: वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान हेतु कार्यक्रम।

आप सभी वरिष्ठ नागरिकों को सूचित किया जाता है कि लायंस क्लब आगरा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करने के लिए 20 जुलाई को प्रातः काल 11:00 बजे रामलीला मैदान में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आयोजन के प्रमुख आकर्षण मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित व लघु नाटिका है। आप सभी वरिष्ठ नागरिक इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर सभा की शोभा बढ़ाएँ।

धन्यवाद

देवव्रत (अध्यक्ष)

16. हैंड सैनिटाइजर के लिए 25-50 शब्दों में एक प्रभावी विज्ञापन तैयार कीजिए। (5×1=5)

रूखे-रूखे खुश्क हाथ

परेशानी का सबब तो होंगे ही।

अ.ब.स. कंपनी, दिल्ली लेकर आई है आपकी परेशानी का उपाय
हाथों की खुश्की दूर भगाए, हाथों को कोमल और चिकना बनाए
आपके मन में विश्वास लगाए।

इस्तेमाल करें- हैंड सैनिटाजर

हाथ रहेंगे साफ़ तो संक्रमण रहेगा दूर

अ.ब.स. कंपनी, दिल्ली का भरोसेमंद उत्पाद

अथवा

किसी हर्बल टूथपेस्ट की कंपनी के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन बनाए।

दंत ज्योति

भद्दे लगते हैं पीले-पीले दर्द करते दाँत
हो जाइए निश्चिंत क्योंकि आयुर्वेद
संस्थापक लेकर आए हैं हर्बल टूथपेस्ट

फ्लोराइड मुक्त टूथपेस्ट। दाँतों में कभी कीड़ा न लगने दे।
आपकी हर सुबह का साथी

आयुर्वेद संस्थान, हरिद्वार द्वारा निर्मित

17. **निम्नलिखित प्रस्थान बिंदु के आधार पर 100 से 120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।** (5×1=5)

एक जंगल में भेड़ों का एक झुंड घास चर रहा था। तभी एक भेड़िये ने एक मेमने को पकड़कर ....

उत्तरः

चतुर मेमना

एक बार एक जंगल में भेड़ों का एक झुंड घास चर रहा था। एक तरफ़ उनका चरवाहा बैठा था। तभी एक भेड़िए ने घात लगाकर एक मेमने को उस झुंड में से खींच लिया और उसे दाँतों से पकड़कर दूर तक खींच ले गया। मेमना 'में-में-में' करता रह गया था। चरवाहा यह आवाज़ सुनकर पीछे भागा मगर वह भेड़िए का मुकाबला न कर सकता था।

एक निर्जन स्थान में भेड़िए ने मेमने को मारकर खाने का मन बनाया। वह मेमने को शांत बैठे देख बोला, "मरने से पहले तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा हो तो बताओ।"

मेमने ने चतुराई से काम लिया। वह बोला, "भेड़िए मामा, मुझे आप अपना गाना सुना दीजिए। मुझे आपका गाना बहुत अच्छा लगता है।"

भेड़िया यह सुनकर फूला नहीं समाया और बेसुरे सुर में गाने लगा। जब काफ़ी देर में भेड़िए ने अपना गाना पूरा किया तो मेमने ने खुश होकर तालियाँ बजाईं और कहा, "मामा, आप कितना अच्छा गाते हो। वाह, एक गाना और सुनाओ।"

भेड़िया अपनी प्रशंसा सुनकर मग्न हो गया और फिर दूसरा गाना गाने लगा। उसके गाने की आवाज़ सुनकर, उसे ढूँढ़ते हुए चरवाहा भी आ गया और शिकारी कुत्ते भी आ गए। शिकारी कुत्तों ने भेड़िए को घेर लिया और उसे दाँतों से फाड़कर मार डाला। चरवाहा अपने मेमने को सुरक्षित देखकर खुश हुआ और अपने साथ ले गया।

अथवा

एक बढ़ई लकड़ी के बड़े लट्ठे को चीर रहा था। पास में बैठा एक बंदर यह काम देख रहा था। बढ़ई काम रोककर ....

उत्तरः

मूर्ख बंदर

बढ़ई एक जगह लकड़ी के बड़े लट्ठे को आरे से चीर रहा था। वह इस बड़े लट्ठे को चीरकर उसके दो टुकड़े करना चाहता था। एक बंदर निकट खड़े पेड़ पर ऊपर बैठा बढ़ई को यह काम करते देख रहा था। बढ़ई काम रोककर खाना खाने निकट ही अपने घर में चला गया। जाते-जाते उसने लट्ठे के चिरे हुए हिस्से में एक गिल्ली फँसाकर रख छोड़ी ताकि वापिस आकर वह उसी जगह से आगे लकड़ी को चीर सके।

बढ़ई के जाने के बाद बंदर तुरंत पेड़ से नीचे उतर आया। आस-पास किसी को न पाकर लट्ठे के पास जाकर गिल्ली को बड़े ध्यान से देखने लगा। फिर वह अपने दोनों पैर लट्ठे के दोनों ओर लटकाकर बैठ गया। अब उसकी पूँछ चिरे हुए लट्ठे के बीचोंबीच पड़ी थी। बैठने के बाद बंदर उस गिल्ली को हिला-डुलाकर देखने लगा। फिर और जोर लगाकर उसे बाहर खींचने लगा। मगर उसे यह समझ नहीं थी कि वह क्या कर रहा था।

एक झटके से गिल्ली चिरे हुए लट्ठे से बाहर आ गई। मगर बंदर की पूँछ चिरे हुए लट्ठे में फँसी रह गई। वह पूँछ निकालने के उछलने-कूदने लगा। उधर पूँछ दबने से भी उसे बहुत दर्द हो रहा था। अंततः उसकी पूँछ टूटकर लट्ठे में फँसी रह गई और वह लहूलुहान होकर तड़पता-चीखता वहाँ से भाग छूटा। इस प्रकार बिना विचार किए शरारत करने के कारण बंदर का यह बुरा हाल हुआ कि वह बिना पूँछ का हो गया।